



**ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY
APPLICATION RESEARCH INSTITUTE**
G.T. Road, Rawatpur, (Near Vikas Bhawan)
Kanpur – 208 002

☎(O) : (0512) 2533560
Fax : (0512) 2533560
Web site : <http://atarik.res.in>
E-mail :
zpdicarkanpur@gmail.com

(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED ORGANIZATION)

Dated: 16.04.2021

Online Institute Management Committee meeting of ICAR-ATARI Kanpur

On 16th April 2021, the Institute Management Committee meeting was organized online at ICAR-ATARI Zone-III Kanpur. Meeting was Chaired by Director of ICAR-ATARI Kanpur.

Dr. Atar Singh, Director & Chairman of IMC, ICAR-ATARI, Kanpur, welcomed everyone and informed the members about the agendas of ongoing projects, Annual Progress Report 2020, EFC 2021-2025-26 with the programs, allocation of RE budget 2020-21, list of ongoing work of 13 KVKs and BE for 2021-22 for 3 KVKs, NICRA Project budget proposal and ICAR funded projects and their budget allocation. The ICAR-ATARI Kanpur Cadre strength and present status, out of 20 sanctioned posts, the 7 posts are vacant. At present 13 staff are in position. Whereas at KVKs total sanctioned posts are 1392, out of these 918 posts are filled up and remaining 474 posts are vacant. There are 88 KVKs established upto 31 March 2021 in the Zone. One KVK Raebareli-II is yet to be established. Achievements of ICAR-ATARI Kanpur: More than 28 thousand farmers and youth were benefited by more than 6 thousand training programs by KVKs. Front-line demonstrations held in pulses crop had more than one-third of the share. The yield increased reported 30% higher through FLDs. 783 technologies assessment. More than 11 lakh farmers were benefited through extension programs. Planting material has also been distributed to farmers through Krishi Vigyan Kendras. The KVKs and ICAR-ATARI Kanpur published various research papers in journals, magazines and newsletters. ICAR is working closely with various national and international institutes. Field trials increased by 11% in 2014–19 compared to 2009–14, the number of extension programs increased by 10%, soil testing increased by 250%. In wheat, the line sowing is giving double income. The NICRA project on different technology interventions is running in 13 districts of Uttar Pradesh. CFLD Pulses-oilseeds projects are running in KVKs for raising production and income. The country is moving towards becoming self-sufficiency in pulses. The NARI Project is aimed for increasing nutrition in rural women. ARYA Project is running in 9 KVKs for entrepreneurship development and developing FPOs & SHGs, Tribal Sub Plan Project is going in 8 KVKs, KSHAMTA Project in Tribal Areas, SCSP Project in 9 districts, CRM Project is running in 23 KVKs for Crop residue management in-situ & Ex-situ. To provide timely Agro-Advisory to farmers, the DAMU project

is currently running in 17 KVKs. The Farmer First Project is running through 7 ICAR institutes for technologies demonstrations. Its purpose is to connect research scientists with farmers. In addition to these, various other projects are running such as Pulses-seed hubs to make seed availability to the farmers, CSISA project etc.

Scientific members present in meeting gave useful suggestions. Dr. S.N. Singh suggested that ATARI should co-ordinate with Radio and TV programs so that the right data and information can reach the people. He also mentioned the success of training of mushroom production by KVK Lucknow.

In the workshop, non-government members Dr. Ramakant Sharma and Mr. Balram Singh Kachwaha, Principal Scientists of ICAR-ATARI Kanpur and Nominated members from ICAR institutions Dr. S.N. Singh (Lucknow), Dr. Rajesh Kumar (Kanpur), Dr. Shiv Dhar (New Delhi), Dr. Rajiv Kumar Agarwal (Jhansi) were present online. The meeting ended with vote of thanks to the participants.



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)

An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : <http://atarik.res.in>
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि.: 16-04-2021

भाकृअनुप-अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन

दि 16 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप-अटारी जोन तृतीय कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी की मीटिंग का आनलाइन आयोजन किया गया जिसमें भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक ने अध्यक्षता की, प्रधान वैज्ञानिकगण सदस्यों, मा0 मंत्री जी द्वारा नामित किसान सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकगण, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं भारतीय दलहन अनु. संस्थान से सहा. वित्त एवं लेखा अधिकारी उपस्थित थे।

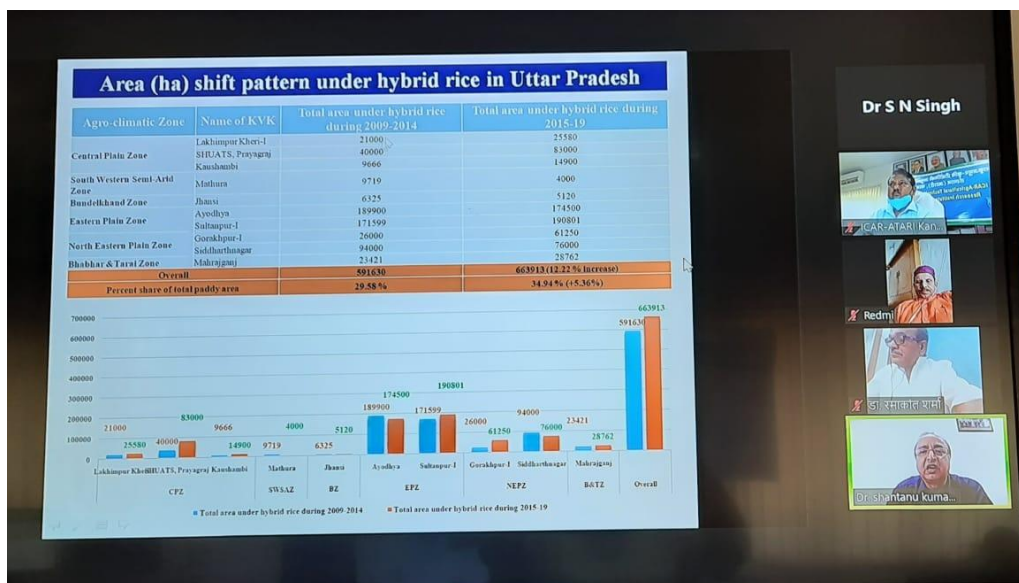
कार्यशाला में भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं उपस्थित सदस्यगणों को अटारी के कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं प्रगति प्रतिवेदन 2020 एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 6 हजार से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा 28 हजार से अधिक किसान एवं युवा लाभान्वित हुए। प्रथमपंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन किया गया, एक तिहाई से अधिक शेयर दलहनी फसलों का रहा। एफ.एल.डी. के माध्यम से 30 प्रतिशत तक उपज वृद्धि में सफलता प्राप्त हुई। तकनीकी मूल्यांकन के अन्तर्गत 783 तकनीकों का मूल्यांकन किया गया। एक्सटेन्शन कार्यक्रमों के माध्यम से 11 लाख किसानों तक फायदा पहुँचा। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को पौध सामग्री का भी वितरण किया गया है। भाकृअनुप-अटारी कानपुर के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों, पत्रिकाओं व न्यूजलेटर का भी प्रकाशन किया गया। भाकृअनुप विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। प्रक्षेत्र परीक्षणों में 2009-14 की तुलना में 2014-19 में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई, विस्तार कार्यक्रमों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई, मृदा परीक्षण में 250 प्रतिशत वृद्धि हुई। गेहूँ में लाइन से बुवाई के माध्यम से दोगुना लाभ प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में निकरा परियोजना चल रही है। कृषि विज्ञान केन्द्रों में सी.एफ.एल.डी. दलहन-तिलहन प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

दलहन में देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। नारी परियोजना न्यूट्रीशियन से जुड़ी परियोजना है जिसका लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं में पोषक तत्वों की कमी दूर करना है। आर्या परियोजना 9 जनपदों में, ट्राइबल सब प्लान प्रोजेक्ट 8 केवीके में, क्षमता प्रोजेक्ट ट्राइबल क्षेत्रों में, एस.सी.एस.पी प्रोजेक्ट 9 जनपदों में, फसल अवशेष प्रबन्धन प्रोजेक्ट 23 केवीके में चल रहा है। एग्रो-एडवाइजरी किसानों तक समय से पहुँचाने के लिये डामू प्रोजेक्ट वर्तमान में 17 केवीके में चल रहा है। फार्मर फर्स्ट प्रोजेक्ट 7 भाकृअनुप संस्थानों के माध्यम से चल रहा है। इसका उद्देश्य शोध के वैज्ञानिकों को किसानों से जोड़ना है। इनके अतिरिक्त दलहन में बीज उपलब्ध कराने के लिये दलहन बीज हब, रेपिड डाटा कलेक्शन के लिये सीसा परियोजना आदि परियोजनायें चल रही हैं।

उपस्थित वैज्ञानिक सदस्यों में डा. एस.एन. सिंह ने सुझाव दिया की अटारी रेडियो एवं टी.वी. कार्यक्रम संयोजकों से मिल कर प्रोग्राम बनायें जिससे टी.वी.-रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से सही डाटा एवं जानकारी लोगों तक पहुँचे। उन्होंने केवीके लखनऊ द्वारा मशरूम उत्पादन के प्रशिक्षण की सफलता का भो जिक्र किया।

कार्यशाला में भाकृअनुप-अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह, गैर सरकारी नामित सदस्य डा. रमाकान्त शर्मा जी एवं श्री बलराम सिंह कछवाहा जी, अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा. शान्तनु कुमार दुबे, डा. साधना पाण्डेय, डा. राघवेन्द्र सिंह एवं भाकृअनुप संस्थानों से नामित सदस्यगण डा. एस.एन. सिंह, डा. राजेश कुमार, डा. शिव धर, डा. राजीव कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।





Dr S N Singh

